क्या शर्म की बात है। वेस्टइंडीज विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहा। यह दर्शाता है कि सिर्फ प्रतिभा ही काफी नहीं है, एकाग्रता और अच्छे टीम प्रबंधन की भी जरूरत है जो राजनीति से मुक्त हो। एकमात्र सांत्वना यह है कि यहां से और नीचे गिरने की गुंजाइश नहीं है। – वीरेन्द्र सहवाग

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विंडीज क्रिकेट टीम को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — नाथन लियोन

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर नाथन लियोन को यहां इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान उनके कप्तान पैट कमिंस ने पिंडली की चोट के कारण बल्लेबाजी नहीं करने को कहा था लेकिन यह अनुभवी ऑफ स्पिनर टीम के अपने साथियों का समर्थन करने के लिए बल्लेबाजी करने उतरा। 100वां टेस्ट खेल रहे लियोन को लार्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के दौरान कैच लेने के प्रयास में दाएं पैर की पिंडली में चोट लगी थी। वह मैच के चौथे दिन बल्लेबाजी करने उतरे और मिशेल स्टार्क के साथ अंतिम विकेट के लिए 15 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त को 370 रन तक पहुंचाया।

क्या आप जानते हैं ?... वर्तमान में 80 से अधिक देश पोलो खेलते हैं। पोलो 1900 से 1936 तक ओलंपिक खेल था और इसे अब एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने मान्यता प्रदान की है।

एशेज : दूसरा टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बनायी 2-0 की बढ़त

लंदन, 2 जुलाई। बेन स्टोक्स (155) के जुझारू शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को दूसरे एशेज़ टेस्ट में इंग्लैंड को 43 रन से हराकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के सामने 371 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था। मैच के पांचवें दिन इंग्लैंड के छह विकेट गिरने के बाद स्टोक्स ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 155 रन बनाये, हालांकि यह उनकी टीम को जीत दिलाने के लिये नाकाफी साबित हुआ। स्टोक्स ने अपनी 214 गेंद की पारी में नौ चौके और नौ छक्के जड़े।

इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत 114/4 से करते हुए भले ही धैर्य के साथ बल्लेबाजी की, लेकिन पहले ड्रिंक्स ब्रेक के बाद बेन डकेट छोटी गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी को कैच दे बैठे। डकेट ने 112 गेंद पर 83 रन बनाये और वह मैच में दूसरी बार शतक से चूके।

लंच से कुछ देर पहले कैरी ने जॉनी बेयरस्टो की लापरवाही का फायदा उठाकर उन्हें रनआउट कर दिया, जिसके बाद स्टोक्स का आक्रामक रूप देखने को मिला। पहला सत्र समाप्त होने से पहले स्टोक्स ने तीन छक्के जड़ते हुए अपना शतक पूरा किया। दूसरे सत्र में भी उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी की और स्ट्राइक ज़्यादा से ज़्यादा अपने पास रखते हुए स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ सातवें विकेट के लिये 108 रन की साझेदारी की।

इंग्लैंड हालांकि इस साझेदारी के बावदूज जीत से 70 रन दूर थी। ड्रिंक्स ब्रेक एक बार फिर इंग्लैंड पर भारी पड़ा और स्टोक्स के बल्ले का किनारा लेकर गेंद हवाई यात्रा करते हुए विकेटकीपर कैरी के दस्तानों में समा गयी। अगली 14 गेंदों के अंदर ओली रॉबिन्सन (एक) और स्टुअर्ट ब्रॉड (11) भी पवेलियन लौटे। जॉश टंग (19) और जेम्स एंडरसन (तीन नाबाद) ने आखिरी विकेट के लिये 25 रन जोड़े, हालांकि यह ऑस्ट्रेलिया की जीत को कुछ देर के लिये ही टाल सका। मिचेल स्टार्क (79/3) ने टंग को बोल्ड कर इंग्लैंड की पारी समाप्त की। पैट कमिंस और जॉश हेज़लवुड ने भी तीन-तीन विकेट लिये, जबकि कैमरन ठीन को एक सफलता प्राप्त हुई। ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की शृंखला में 2-0 से आगे हो गयी है। इंग्लैंड अगर एशेज़ का खिताब हासिल करना चाहती है तो उसे अगले तीनों टेस्ट जीतने होंगी।

राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे ऋतेश

लंदन, 2 जुलाई। इंग्लैंड में आयोजित राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत के ऋतेश डोगरा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। द्रोणाचार्य भूपेन्द्र धवन के नेतृत्व में प्रशिक्षण हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में आठ स्वर्ण सहित 12 पदक हासिल किये। ऋतेश ने 90 किग्रा भार वर्ग की रॉ डेडलिफ्ट में 300 किग्रा भार उठाकर अपना नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कुल 767.5 किग्रा लिफ्ट करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते।

सुरेन्द्र सिंह (100 किग्रा) ने कुल 735किग्रा लिफ्ट करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते। प्रभजीत सिंह बख्शी (110 किग्रा) ने 670 किग्रा भार उठाकर दो स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया। गुलशन सैनी ने 75 किग्रा वर्ग में 512.5 किलो की कुल लिफ्ट की मदद से दो स्वर्ण और एक कांस्य अपने नाम किया। भूपेन्द्र धवन ने इस अभूतपूर्व जीत के लिये विजेताओं को बधाई देते हुए पिछले चार सप्ताह में उनकी कड़ी मेहनत और लगन को श्रेय दिया। टीम प्रबंधक सुजीत खत्री ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को बधाई दी। सर्वश्रेष्ठ लिफ्टर का खिताब जीतने के बाद ऋतेश ने कहा कि भारतीय टीम की सफलता का श्रेय उनके कोच द्रोणाचार्य भूपेन्द्र को जाता है जिनके मार्गदर्शन और तकनीकी ज्ञान ने उन्हें जीवन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय तैराकी चैम्पियनशिप में टूटे कई रिकॉर्ड

हैदराबाद, 2 जुलाई। गुजरात के आर्यन नेहरा ने रविवार को यहां राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। नेहरा ने तीन मिनट 25.55 सेकंड के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड कुशाग्र रावत (तीन मिनट 52.75 सेकंड) के नाम था, जो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 2020 में स्थापित किया था।

पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक कुशाग्र तीन मिनट 55.45 सेकंड का समय लेकर रजत पदक जीता, जबकि अनीष गौड़ा ने तीन मिनट 57.86 सेकंड तैरकर कांस्य हासिल किया। पुरुषों की 800 मीटर और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल के लिये एशियाई खेल 2022 और विश्व चैंपियनशिप 2023 में अपना स्थान पक्का कर चुके आर्यन पूरे फाइनल में रावत के साथ कड़ी टक्कर में थे, लेकिन आखिरी लैप में वह आगे निकल गये। इसी बीच, कर्नाटक की लिनेशा एके ने दो मिनट 37.35 सेकंड के समय में महिलाओं की 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ अपेक्षा फर्नांडिस (दो मिनट 38.05 सेकंड) का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा।

माना पटेल ने अपनी झोली में एक और रिकॉर्ड जोड़ते हुए 100 मीटर बैकस्ट्रोक में एक मिनट 04.33 सेकंड के अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया। माना ने एक मिनट 03.48 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

नीना वेंकटेश ने महिलाओं की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 27.74 सेकंड के समय के साथ सुबह अपना ही बनाया हुआ राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। वह हीट में 28.01 सेकंड तैरीं, जो पिछली रिकॉर्ड धारक दिव्या सतीजा से लगभग 0.32 सेकंड बेहतर था। इससे पूर्व, कर्नाटक ने 4200 मीटर महिला फ्रीस्टाइल फ़ाइनल में आठ मिनट 40.89 सेकंड के समय के साथ महाराष्ट्र (8:53.83) का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हॉकी इंडिया एचआईएल को 2024 या 2025 में नये रूप में शुरू करने की तैयारी में

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। हॉकी इंडिया सात साल के अंतराल के बाद फ्रेंचाइजी-आधारित लीग को पुनर्जीवित करने की कोशिश में है जिससे बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) अगले साल या 2025 की शुरुआत में एक नये अवतार में शुरू हो सकती है। एचआईएल को 2017 में वित्तीय मुद्दों और टीम मालिकों के असहयोग के कारण निलंबित कर दिया गया था। हॉकी इंडिया इस लीग को पेरिस ओलंपिक के बाद आयोजित करने की योजना बना रहा है जिसमें पहली बार महिलाओं के मुकाबले भी होंगे। पूर्व ओलंपियन दिलीप टिर्की के नेतृत्व में हॉकी इंडिया ने एचआईएल के माध्यम से उभरते हुए खिलाड़ियों को अनुभव प्रदान करके देश में हॉकी परिदृश्य को फिर से जीवित करने की योजना बनाई है।

हॉकी इंडिया ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से अगले साल टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए विंडो (समय) की मांग की है और वह इस खेल के वैश्विक निकाय से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। टिर्की ने 'पीटीआई-भाषा' से विशेष बातचीत में कहा, " हमें अभी तक कोई विंडो नहीं मिली है, लेकिन हमने एफआईएच से एक विंडो मांगी है। हमने ओलंपिक के बाद अगले साल दिसंबर या 2025 जनवरी में एक विंडो मांगी है।" उन्होंने कहा, हमें अब भी एफआईएच से आधिकारिक जवाब का इंतजार है।

उन्होंने कहा, "हम इस बार पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एचआईएल आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। पहले यह सिर्फ पुरुषों के लिए होता था लेकिन हम चाहते हैं कि हमारी महिला खिलाड़ियों को भी अनुभव मिले।" हॉकी इंडिया की योजना इस लीग को पुरुष वर्ग में आठ टीमों और महिला वर्ग में चार टीमों के साथ कराने की है।

हॉकी इंडिया ने इस लीग के वाणिज्यिक और विपणन भागीदार के तौर पर 'बिग बैंग मीडिया वेंचर्स' से करार किया है। टिर्की ने कहा, " एचआईएल से देश के युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के खेल का अनुभव मिलेगा। यह उनके लिए बड़ा मंच होगा क्योंकि दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने से बहुमूल्य अनुभव मिलेगा।"

पता चला है कि लीग की भविष्य की कार्रवाई तय करने के लिए हॉकी इंडिया पांच जुलाई को अपने वाणिज्यिक भागीदारों सहित खेल के सभी हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित करेगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी पुष्टि की कि एचआईएल को अगले साल एक नये तरीके से पेश किया जाएगा और राष्ट्रीय महासंघ लीग को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

चीन ने जापान को हराकर महिला बास्केटबॉल एशिया कप जीता

सिडनी, 2 जुलाई। चीन ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां रोमांचक फाइनल में पांच बार के गत चैंपियन जापान को 73-71 से हराकर 2012 के बाद पहला महिला बास्केटबॉल एशिया कप खिताब जीता। मध्यांतर के समय चीन की टीम पिछड़ रही थी और ऐसा लग रहा था कि गत चैंपियन टीम के खिलाफ फाइनल में उसे लगातार तीसरी बार हार का सामना करना पड़ेगा। जापान ने पहले हाफ में अंतिम 14 अंक जुटाए और मध्यांतर तक टीम ने नौ अंक की बढ़त बना रखी थी। शू हेन ने तीसरे क्वार्टर में हालांकि चीन को लय दिलाई और टीम क्वार्टर के अंतिम लम्हों में बढ़त बनाने में सफल रही। चीन की टीम इसके बाद स्वर्ण पदक के लंबे इंतजार को खत्म करने में सफल रही। शू ने मैच में 26 जबकि सियू वैंग ने 17 अंक जुटाए। जापान की ओर से माकी तकादा ने 17 जबकि साकी हयाशी ने 12 अंक हासिल किए। इससे पहले शनिवार को मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 81-59 से हराकर लगातार तीसरी बार कांस्य पदक जीता।

एशिया जूनियर चैम्पियनशिप के लिए कल रवाना होंगे भारतीय शटलर

पंचकुला, 02 जुलाई। पंचकुला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर से गुजरने के बाद 18 सदस्यीय भारतीय टीम बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के लिये मंगलवार को रवाना होगी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने रविवार को यह जानकारी दी।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप का आयोजन सात से 16 जुलाई के बीच इंडोनेशिया के योग्यकार्ता में किया जायेगा। टीम की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित 14 दिनों के प्रशिक्षण शिविर को बीएआई, भारतीय खेल प्राधिकरण और विद्युत मंत्रालय के तहत एक महारत्न कंपनी, आरईसी लिमिटेड का समर्थन प्राप्त था।

बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, इस दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर ने टूर्नामेंट से पहले अच्छी तैयारी करने में मदद की है। मुझे विश्वास है कि इस शिविर ने टीम को एक-दूसरे से जुड़ने और एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने में भी मदद की है। हमारे पास एक मजबूत टीम है जिसमें सर्वश्रेष्ठ को चुनौती देने की क्षमता है। मैं उनमें से प्रत्येक को और साथ ही कोचिंग स्टाफ को चैंपियनशिप के लिये शुभकामनाएं देता हूं।

आरईसी लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक विवेक कुमार देवांगन ने साझेदारी पर कहा, "हमारा लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को सब-जूनियर स्तर से तैयार और पोषित करना है। हमें प्रतिभा की पहचान करनी है और उन्हें विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करना है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ये जूनियर आगे चलकर सीनियर स्तर पर भी देश के लिये पदक ला सकें। ग्रुप चरण में भारत को मलेशिया, बंगलादेश और हांगकांग के साथ ग्रुप-सी में रखा गया है। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण के लिये क्वालीफाई करेंगी। भारत इस टूर्नामेंट में इससे पहले दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीत चुका है। पीवी सिंधु 2012 चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी थीं, जबकि लक्ष्य सेन ने 2018 में स्वर्ण जीता था।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के लिये भारतीय टीम :- एकल बालक : लक्ष्य शर्मा, समरवीर, आयुष शेट्टी और ध्रुव नेगी। **एकल बालिका :** रक्षिता श्री एस, श्रेयांशी वलीशेट्टी, तारा शाह और अनमोल खरब। **बालक युगल :** निकोलस नाथन राज/तुषार सुवीर और दिव्यम अरोड़ा/मयंक राणा। **बालिका युगल :** राधिका शर्मा/तन्वी शर्मा और कर्णिका श्री एस./तनिषा सिंह। **मिश्रित युगल :** समरवीर/ राधिका शर्मा और अरुलमुरुगन आर./श्रीनिधि एन।

दीपा भुवनेश्वर में एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में वापसी करेगी

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। भारतीय जिम्नास्ट दीपा कर्माकर डोप जांच में असफल होने पर 21 महीने के प्रतिबंध को पूरा कर के 11 और 12 जुलाई को भुवनेश्वर में एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेंगी। त्रिपुरा की 29 वर्षीय खिलाड़ी को मई में भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ ने संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया था। दीपा की प्रतिबंध अवधि 10 जुलाई को खत्म हो जाएगी। दीपा ने बताया, "यह पुष्टि हो गई है कि मैं ट्रायल में भाग लूंगी। मैं पिछले कुछ महीनों से अगरतला में प्रशिक्षण ले रही हूं। मुझे खुद से इसलिए प्रदर्शन की उम्मीद है।"

दीपा किसी वैश्विक आयोजन में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय जिमनास्ट है। उन्होंने 2018 में तुर्की में 'आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक वर्ल्ड चैलेंज कप' की वॉल्ट स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उन्होंने उसी वर्ष कॉटबस में कांस्य भी जीता था। वह 2014 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता और 2015 हिरोशिमा में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य विजेता भी हैं।

इसके बाद लगातार चोट से जूझने के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ। चोट के कारण ही वह तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी। कर्माकर पर अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए) द्वारा कराये गए डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बाद 21 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया है। कर्माकर के डोप नमूने 11 अक्टूबर 2021 को आईटीए द्वारा प्रतिस्पर्धा से इतर लिये गए थे। आईटीए अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ (एफआईजी) के डोपिंग निरोधक कार्यक्रम का जिम्मा संभालने वाली स्वतंत्र एजेंसी है ।

वह हिजेनामाइन के सेवन की दोषी पाई गई थी जो विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की प्रतिबंधित सूची में है दीपा के कोच विश्वेश्वर नंदी ने कहा, "वह पिछले दो-तीन महीने से अभ्यास कर रही है। फिलहाल उसका ध्यान ट्रायल्स में अच्छा करने पर है।" रियो ओलंपिक (2016) में चौथे स्थान पर रहने वाली दीपा के अलावा इस ट्रायल के महिला वर्ग में प्रणति नायक, प्रणति दास, प्रतिष्ठा सामंत जैसे शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे।

जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हराकर विश्वकप में पहुंची श्रीलंका

बुलावायो, 2 जुलाई। महीष तीक्षणा (25/4) और दिलशन मदुशंका (15/3) की उत्कृष्ट गेंदबाजी के बाद पथुम निसंका (101 नाबाद) के शानदार सैकड़े की बदौलत श्रीलंका ने रविवार को विश्व कप क्वालीफायर के सुपर-6 चरण में ज़िम्बाब्वे को नौ विकेट से हराकर मुख्य टूर्नामेंट में जगह बना ली। मेज़बान ज़िम्बाब्वे टॉस हारकर बल्लेबाज़ी करते हुए 165 रन पर ऑलआउट हो गयी। श्रीलंका ने यह लक्ष्य 33.1 ओवर में हासिल कर भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर लिया।

ज़िम्बाब्वे अब तक हरारे में खेले गये मैचों में विपक्षी टीमों पर हावी रही थी, लेकिन बुलावायो के क्वीन्स स्पोर्ट्स क्लब में वह अपना प्रदर्शन बरकरार नहीं रख सकी। शुरुआती तीन विकेट मात्र 30 रन पर गिरने के बाद शॉन विलियम्स और सिकंदर रज़ा ने चौथे विकेट के लिये 68 रन की साझेदारी बुनी। यह साझेदारी टूटने के बाद मेज़बान टीम कभी भी लय हासिल नहीं कर सकी।

विलियम्स ने 57 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के के साथ 56 रन बनाये, जबकि रज़ा ने 51 गेंद पर तीन चौके और एक छक्का लगाकर 31 रन का योगदान दिया। तीक्षणा ने 8.2 ओवर में 25 रन देकर चार विकेट लिये, जबकि मदुशंका ने पांच ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट चटकाये। मतीशा पथिराना ने दो और दसुन शनाका ने एक विकेट लेकर ज़िम्बाब्वे को 32.2 ओवर में 165 रन पर समेट दिया।

ज़िम्बाब्वे के गेंदबाजों ने श्रीलंका के लिये चुनौतियां खड़ी करनी चाहीं, लेकिन निसंका ने आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने सबसे पहले डिमुथ करुणारत्ने (56 गेंद, 30 रन) के साथ पहले विकेट के लिये 103 रन की साझेदारी की। करुणारत्ने का विकेट गिरने के बाद निसंका और कुसल मेंडिस ने दूसरे विकेट के लिये 66 रन जोड़े।

पेनल्टी का बचाव करने के लिए अनुभव और किस्तान का साथ जरूरी : संधू

बेंगलुरु, 2 जुलाई। लेबनान के खिलाफ सैफ चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में शानदार बचाव कर टीम को फाइनल में पहुंचाने वाले गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कहा कि वह सामने वाले खिलाड़ी की मानसिकता को भाप कर एक तरफ डाइव लगाते है और इसके नतीजे को किस्मत पर छोड़ देते है।

भारतीय टीम मंगलवार को टूर्नामेंट के फाइनल में कुवैत का सामना करेगी। कप्तान सुनील छेत्री ने पेनल्टी शूटआउट में भारत के लिए पहला गोल किया। इसके बाद संधू ने बायीं ओर डाइव लगाकर हसन मातोक के किक पर शानदार बचाव किया। अनवर अली, नाओरेम महेश सिंह और उदांता सिंह कुमाम ने इसके बाद भारत के लिए गोल दागे। वालिद शऊर और मोहम्मद सादेक ने गोल कर लेबनान को मुकाबले में बनाये रखा था लेकिन खलील बदेर की किक क्रॉसबार के ऊपर से निकल गयी जिससे भारत ने शानदार जीत दर्ज की। संधू ने कहा, मैं एक गोलकीपर के रूप में यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि पेनल्टी लेने वाले का काम मुश्किल हो जाए। मैं आखिरी क्षण तक उस पर मानसिक बढ़त लेने की कोशिश करता हूं और इसके बाद एक साइड का चयन कर गेंद पर हाथ लगाने की कोशिश करता हूं।"

उन्होंने कहा, आप हर पेनल्टी का बचाव नहीं कर सकते। लेकिन आप ये जानने की कोशिश करते है कि किक लगाने वाला खिलाड़ी के दिमाग में क्या चल रहा है। कोई आपको भ्रमित करने की कोशिश करेगा, कोई पहले से तय योजना के साथ आएगा। इसमें अनुभव और कद काठी का भी योगदान होता है। अगर मेरा कद पांच फुट चार इंच का होता, तो निश्चित रूप से मैं ज्यादा पेनल्टी का बचाव नहीं कर पाता।"

विश्व कप की मेजबानी से चूकने वाले राज्य संघों को द्विपक्षीय घरेलू सत्र में मौका मिलेगा

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। भारत में इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी से चूकने वाले स्थलों को आगामी घरेलू सत्र के दौरान उनकी बारी के बिना भी 50 ओवर के मैचों की मेजबानी मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने यह सुझाव रखा है कि विश्व कप मुकाबलों की मेजबानी करने वाले स्थल घरेलू सत्र के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी की अपनी बारी छोड़ देंगे जिससे कि उन राज्य संघों को भरपाई की जा सके जो इस प्रतिष्ठित आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी से चूक गए हैं।

राज्य संघों को लिखे पत्र में शाह ने सूचित किया है कि उनके प्रस्ताव को विश्व कप की मेजबानी करने वाले स्थलों के अधिकारियों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया है जिसमें दिल्ली, धर्मशाला, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद, बेंगलुरू और लखनऊ शामिल हैं। हालांकि विश्व कप के दौरान सिर्फ अभ्यास मैचों की मेजबानी करने वाले गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम को आगामी सत्र में मेजबानी का मौका मिलेगा। शाह ने इस हफ्ते की शुरुआत में विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा से पहले राज्य संघों के प्रमुखों से मुलाकात की थी।

पीसीबी ने विश्व कप में हिस्सा लेने के लिये सरकार से मांगी मंजूरी

लाहौर, 02 जुलाई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की खातिर भारत आने के लिये प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर आधिकारिक मंज़ूरी मांगी है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की ओर से रविवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पत्र में पूछा गया है कि पाकिस्तान टीम को भारत की यात्रा करने की अनुमति है या नहीं और क्या पाकिस्तानी सरकार टोह लेने के लिये एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत भेजना चाहती है।

पाकिस्तान को अपने नौ लीग मैच पांच आयोजन स्थलों पर खेलने हैं। पीसीबी ने सरकार से यह भी पूछा है कि उसे इन आयोजन स्थलों से कोई आपत्ति है या नहीं। पीसीबी ने 26 जून को पत्र को एक आवश्यक कदम के रूप में लिखा था क्योंकि किसी भी अन्य देश के दौरे के विपरीत, भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत दौरे के लिये सरकार की अनुमति की आवश्यकता होती है।

सरकार के लिये जवाब देने की कोई समय सीमा नहीं है लेकिन पाकिस्तान टीम सरकार की मंजूरी के बिना यात्रा नहीं करेगी। पीसीबी ने सरकार के साथ पाकिस्तान टीम के नौ लीग मैचों की जानकारी भी साझा की है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाला मैच भी शामिल है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार, पीसीबी ने कहा, "पिछले मंगलवार को विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद हमने अंतर-प्रांतीय समन्वय मंत्रालय के माध्यम से अपने संरक्षक माननीय प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफ को लिखा। विदेश मंत्रालय और आंतरिक मंत्रालय को भी पत्र लिखते हुए विश्व कप में भाग लेने की मंजूरी का अनुरोध किया।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने 2016 पुरुष टी20 विश्व कप के बाद से भारत का दौरा नहीं किया है। दोनों टीमें एक दशक से किसी भी द्विपक्षीय शृंखला में भी आमने-सामने नहीं आये हैं और सिर्फ आईसीसी एवं एसीसी आयोजनों में मुकाबला करते हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पहले ही सुझाव दिया था कि वह विश्व कप में टीम की भागीदारी का मूल्यांकन कर रहा है और उचित समय पर पीसीबी को अपने विचार से अवगत कराएगा। भारत को लेकर सरकार के रुख पर कोई स्पष्ट स्थिति नहीं है, लेकिन हाल ही में विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी लगभग 12 वर्षों में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) शिखर सम्मेलन के लिये भारत का दौरा करने वाले पहले उच्च स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी थे। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ भी चार जुलाई को भारत की मेजबानी में वीडियो-कॉन्फ्रेंस प्रारूप में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के प्रमुखों की परिषद (सीएचएस) की बैठक में भाग लेने वाले हैं।

पाकिस्तान में सत्तारूढ़ सरकार का कार्यकाल अगस्त में समाप्त होने वाला है इसलिये पीसीबी की भारत यात्रा से जुड़ा फैसला अगली सरकार के आने तक टल सकता है। वर्तमान सरकार संभवत: इस स्तर पर औपचारिक घोषणा नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि 2016 में भी नवाज़ शरीफ़ की सरकार ने पीसीबी को भारत दौरे की मंज़ूरी अंतिम वक्त पर ही दी थी। पीसीबी ने पाकिस्तान टीम की सुरक्षा के संबंध में भारत सरकार से आश्वासन नहीं मिलने पर टी20 विश्व कप से हटने की धमकी दी थी।

निकहत करेंगी एशियाई खेलों में भारतीय मुक्केबाजों की अगुवाई

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ज़रीन, रिकॉर्ड छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा और टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन 23 सितंबर से आठ अक्टूबर 2023 तक चीन के हांग्झोउ में होने वाले 19वें एशियाई खेलों में भारतीय मुक्केबाजी टीम का नेतृत्व करेंगे। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक और छह एशियाई चैंपियनशिप पदक जीतने वाले थापा 63.5 किलोग्राम वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी झोली में पहला एशियाई खेल पदक जोड़ना चाहेंगे। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोर्गोहेन 75 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। हाल ही में दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने वाली निकहत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना दबदबा जारी रखना चाहेंगी। तेलंगाना में जन्मी मुक्केबाज ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता और वह 50 किग्रा वर्ग में मुक्केबाजी करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, इस दुर्जेय टीम ने इस प्रतिष्ठित आयोजन की तैयारी के लिये अथक परिश्रम किया है और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे। भारत मुक्केबाजी परिदृश्य में परचम लहरा रहा है और उसने बड़े स्तर पर अपनी जगह बना ली है। हाल की विश्व चैंपियनशिप में हमारे मुक्केबाजों द्वारा असाधारण प्रदर्शन देखने के बाद हमें विश्वास है कि हम हांग्झोउ में भी ऐसा ही कुछ देखेंगे।" दीपक भोरिया 51 किग्रा फ्लाईवेट वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगे। उन्होंने हाल ही में ताशकंद में पुरुष विश्व चैंपियनशिप में 2021 विश्व चैंपियन साकेन बिबोसिनोव को हराकर ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। विश्व चैंपियनशिप के एक और कांस्य पदक विजेता निशांत देव 71 किग्रा वर्ग में देश का भार अपने कंधों पर उठाएंगे। भारतीय टीम में क्रमश: हेवीवेट और सुपरहेवीवेट श्रेणियों में 2021 एशियाई चैंपियन संजीत कुमार (92 किग्रा) और 2022 एशियाई चैंपियनशिप मेडलिस्ट नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा) भी शामिल होंगे। साल 2021 के विश्व युवा चैंपियन सचिन (57 किग्रा) और तीन बार के राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारतीय जर्सी पहनने वाले अन्य मुक्केबाज होंगे। पिछले साल एशियाई चैंपियन बनने के अलावा विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीतने वाली परवीन हुड्डा 57 किग्रा वर्ग में देश की कमान संभालेंगी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लंबोरिया 60 किग्रा वर्ग में भाग लेंगी, जबकि 2021 विश्व युवा चैंपियन अरुंधति चौधरी 66 किग्रा वर्ग में रिंग में उतरेंगी। टीम में कुशल युवा मुक्केबाज प्रीति भी होंगी, जिनके नाम 2022 एशियाई चैंपियनशिप का कांस्य पदक है। मुक्केबाज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे क्योंकि यह प्रतियोगिता 2024 पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफायर के रूप में काम करेगी।

एशियाई खेलों के लिये पुरुष मुक्केबाज : दीपक (51 किग्रा), सचिन (57 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत (92 किग्रा) और नरेंद्र (92 किग्रा)। एशियाई खेलों के लिये महिला मुक्केबाज : निकहत ज़रीन (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), परवीन (57